

अमृतफल पुं. (तत्.) 1. अमरता प्रदान करने वाला 2. अमृत के समान मधुर फल।

अमृतफला स्त्री. (तत्.) 1. आँवला 2. अंगूर, दाख 3. मुनक्का।

अमृतबंधु पुं. (तत्.) देवगण, चंद्रमा।

अमृतबान पुं. (तद्.) अचार, मुरब्बा आदि रखने का ढक्कनदार चीनी मिट्टी या शीशे का बर्तन, मर्तबान, अमृतदान।

अमृतमंत्र पुं. (तत्.) 1. मृत्यु से बचाने वाला मृत्युंजय मंत्र 2. नए जीवन को प्रदान करने वाला शब्द।

अमृतमंथन पुं. (तत्.) अमृत प्राप्त करने के लिए किया गया मंथन, पौराणिक समुद्र मंथन।

अमृतमहोत्सव पुं. (तत्.) किसी प्रतिष्ठित संस्था के सफलतापूर्वक पचहत्तर वर्ष पूरे कर लेने पर आयोजित उत्सव, platinum jubilee टि. कुछ लोग इसे अस्सी वर्ष पूरे होने पर मनाते हैं, पचहत्तर वर्ष पूरे होने पर हीरक जयंती मनाने की प्रथा है।

अमृतमूल पुं. (तत्.) अमृत जड़, संजीवनी प्रदान करने वाली जड़ी।

अमृतरंगिणी स्त्री. (तत्.) चंद्रमा का प्रकाश, ज्योत्स्ना।

अमृतलता स्त्री. (तत्.) गुडुच या गिलोय की लता टि. आयुर्वेद में औषधि रूप में प्रयुक्त होती है 2. इसके सभी अंग।

अमृतलोक पुं. (तत्.) देवों का लोक, स्वर्ग।

अमृतवर्षा पुं. (तत्.) 1. अमृत की वर्षा करने वाला 2. चंद्रमा।

अमृतांशु पुं. (तत्.) जिसकी किरणें अमृतमयी हो, सुधांशु, चंद्रमा।

अमृता स्त्री. (तत्.) 1. गुर्च, गुडुच 2. आँवला 3. तुलसी 4. मदय।

अमृताक्षर वि. (तत्.) जो अमर हो और जिसका क्षरण न हो, अजरामर।

अमृताश वि. (तत्.) 1. अमृत का अशन (भोजन) करने वाले देवता 2. विष्णु।

अमृताशन पुं. (तत्.) दे. अमृताश।

अमृतेश पुं. (तत्.) भगवान शिव, अमृतों अर्थात् देवों के भी अधिदेव शिव, देवता।

अमृतेशय पुं. (तत्.) जल अर्थात् समुद्र में शेषशायी विष्णु।

अमृतेश्वर पुं. (तत्.) दे. अमृतेश।

अमृत्यु स्त्री. (तत्.) 1. मृत्यु का अभाव 2. अमरता वि. (तत्.) 1. अमर 2. अमर बनाने वाला।

अमृष्ट वि. (तत्.) 1. जिसका घर्षण नहीं हुआ है, बिना रगड़ का 2. गंदा, मैलयुक्त।

अमेठना स.क्रि. (देश.) दे. उमेठना।

अमेठी स्त्री. (तत्.) 1. अकड़ 2. अभिमान, गर्व 3. उत्तर प्रदेश की एक तहसील और नगर, मलिक मोहम्मद जायसी का जन्मस्थान जायस भी इसी तहसील में पड़ता है।

अमेदस्क वि. (तत्.) बिना चरबी वाला, मेदा रहित, दुबला-पतला।

अमेधा वि. (तद्.) जिसमें बुद्धि (मेधा) न हो, मूर्ख, बुद्धिहीन।

अमेध्य पुं. (तत्.) 1. अपवित्र वस्तु 2. मल-मूत्र। वि. 1. अपवित्र 2. जिस वस्तु का यज्ञ में प्रयोग न किया जा सके।

अमेय वि. (तत्.) 1. जिसे मापा न जा सके, अपरिमित, असीम, बेहद, सीमारहित 2. जो जाना या समझा न जा सके, अज्ञेय।

अमेयात्मा वि. (तत्.) सीमारहित आत्मा को धारण करने वाला, विष्णु।

अमेरिकन वि. (अं.) 1. अमेरिका का 2. अमेरिका से संबंधित 3. अमेरिका का निवासी 4. अमेरिका में प्रचलित अंग्रेजी भाषा।

अमेरिका पुं. (अं.) 1. पश्चिमी गोलार्ध में स्थित एक महाद्वीप और एक देश-विशेष 2. संयुक्त राज्य अमेरिका।

अमेरिकी वि. (तद्.) दे. अमेरिकन।

अमेल वि. (तत्.) जिसका मेल न हो, असंबद्ध

अमेह पुं. (तत्.) एक प्रकार का मूत्ररोग, वह रोग जिसमें पेशाब आसानी से नहीं उतरता।